मारवाड़-जोधपुर में अशोक गहलोत कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके

गहलोत का पायलट को सत्ता से दूर रखने के चलते भाजपा सत्ता पर काबिज हुई

जालोर, (कासं)। प्रदेशभर में मारवाड़ क्षेत्र की नजरें टिकी हुई थी। मारवाड़ जोधपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने क्षेत्र में कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके। वहीं इस क्षेत्र में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट द्वारा भी एक भी सभा नहीं करने से इसका भी असर सीधा देखा गया। गहलोत का पायलट को सत्ता से दूर रखने के चलते इस बार भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हुई। मारवाड़ में भाजपा को 23, कांग्रेस को 7 व निर्दलीय तीन प्रत्याशी ने जीत दर्ज की।

प्रदेशभर में इस बार कई जगह परिणाम चौकाने वाले नजर आये। मारवाड़ क्षेत्र मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का क्षेत्र होने से यह हमेशा भाजपा का गढ़ रहा है। तथा मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र में अपने कार्यकाल में कई विकास कार्य करवाये। लेकिन उनके विकास कार्य भी इस बार चुनाव में बौने साबित हुए। सिरोही जिले की तीन सीटो में सिरोही सीट से मुख्यमंत्री के सलाहकार कांग्रेस के संयम लोढा को भाजपा के ओटाराम देवासी ने 35805 मतों से पराजित किया। भाजपा के ओटाराम देवासी को 114729 मत, कांग्रेस के संयम लोढा को 78924 मत मिले। वही पिण्डवाडा आबू से भाजपा के समाराम गरासिया ने कांग्रेस के लीलाराम गरासिया को 13094 मतों से पराजित किया। भाजपा के समाराम गरासिया ने 70647, कांग्रेस के 57553 मत प्राप्त किये। वही रेवदर से कांग्रेस के मोतीराम ने भाजपा के जगसीराम को 3564 मतों से पराजित किया। कांग्रेस के मोतीराम कोली 93120 मत व जगसीराम कोली को 89556 मत मिले। वही जैसलमेर की दोनो सीटें भाजपा की झोली जाती नजर आई। जैसलमेर सीट पर भाजपा के छोटूसिंह ने कांग्रेस के रूपाराम को 18687 मतो से पराजित किया। भाजपा के छोटू सिंह को 104636 मत व कांग्रेस के रूपाराम को 85949 मतों से पराजित किया।

- **गहलोत ने इस क्षेत्र में अपने कार्यकाल में कई विकास कार्य करवाये लेकिन वे भी बौने साबित हुए**
- **मारवाड़ में भाजपा को 23, कांग्रेस को सात व तीन निर्दलीय प्रत्याशी को जीत मिली**

वही पोकरण सीट सबसे होट सीट थी। इस सीट पर मुख्यमंत्री के मंत्री रहे कांग्रेस के साले मोहम्मद को भाजपा के प्रतापपुरी ने 35427 मतो से पराजित किया। भाजपा के प्रतापपुरी को 112925 मत व कांग्रेस के साले मोहम्मद को 77498 मत हासिल किये। बाड़मेर जिले की सात सीटों में से चार सीटो पर भाजपा व दो सीटों पर कांग्रेस एवं एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए। बाड़मेर जिले में कांग्रेस के मेवाराम जैन को भाजपा की बागी निर्दलीय प्रियंका चौधरी ने प्रत्याशी 13337 मतों से पराजित किया। भाजपा की बागी निर्दलीय प्रियंका चौधरी ने 106948 मत व कांग्रेस के मेवाराम जैन को 93611 मत व भाजपा के दीपक कडवसरा को 5355 मत मिले। भाजपा प्रत्याशी को सबसे कम मत मिले। वही बायतु सीट से कांग्रेस के हरीश चौधरी ने आरएलपी के उम्मेदाराम बेनीवाल को 910 तो से पराजित किया। कांग्रेस के हरीश चौधरी ने 76821 मत व आरएलपी के उम्मेदाराम बेनीवाल को 75911 मत भाजपा के बाला मूढ को 51720 मत मिले।

वहीं चौहटन सीट पर भाजपा के आदूराम मेघवाल ने भाजपा के पदमाराम को 1428 मतों से पराजित किया। गुडामालानी विधानसभा क्षेत्र से मंत्री हेमाराम चौधरी के चुनाव नहीं लड़ने से कांग्रेस से सीट खिसक गई। गुड़ामालानी में पूर्व विधायक लादूराम के पुत्र कृष्ण कुमार विश्नोई ने कांग्रेस के कर्नल सोनाराम चौधरी को 15217 मतो से पराजित किया। भाजपा के के के विश्नोई ने 107632 मत, कांग्रेस के सोनाराम को 92415 मत मिले। वहीं पचपदरा सीट से कांग्रेस के मदन प्रजापत ने बालोतरा को जिला बनने के बाद भी जनता ने नकारते हुए पूर्व मंत्री अमराराम के पुत्र अरूण चौधरी ने कांग्रेस के प्रजापत को 2529 मतो से पराजित किया। सिवाना सीट से भाजपा के हमीरसिंह ने निर्दलीय सुनील परिहार को 11807 मतो से पराजित किया। पाली जिले की छह सीटो में से पांच सीट पर भाजपा व एक सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। पाली जिले से भाजपा के ज्ञानचंद को कांग्रेस के भीमराज भाटी ने 7874 मतों से पराजित किया।

जैतारण से भाजपा के अविनाश गहलोत ने कांग्रेस के सुरेन्द्र गोयल को 13526 मतो से पराजित किया। बाली से भाजपा के पुष्पेन्द्रसिंह ने कांग्रेस के बद्रीराम जाखड को 10493 मत से पराजित किया। सोजत से भाजपा के शोभा चौहान ने कांग्रेस के निरंजन आर्य को 31772 मतो से पराजित किया। भाजपा की शोभा चौहान को 94852 मत व कांग्रेस के निरंजन आर्य को 63080 मत मिले। वही सुमेरपुर से भाजपा के जोराराम कुमावत ने कांग्रेस के हरिशंकर मेवाडा को 27382 मतो से पराजित किया। मारवाड़ जंक्शन से भाजपा के केसाराम ने कांग्रेस के खुशवीर जोजावर को 33021 मतो से पराजित किया। जोधपुर की दस सीटों में से आठ में भाजपा व दो में कांग्रेस प्रत्याशी विजयी हुए। जोधपुर में भाजपा के अतुल भंसाली ने कांग्रेस की मनीषा पंवार को पराजित किया। वहीं फलोदी से भाजपा के पब्बाराम ने कांग्रेस के प्रकाशचन्द्र छंगाणी को, लोहावट से भाजपा के गजेन्द्रसिंह , शेरगढ से भाजपा के बाबूसिंह ने कांग्रेस की मीना कंवर को पराजित किया। वहीं ओसिया से भाजपा के भेराराम सियोल ने कांग्रेस की दिव्या मदेरणा को, भोपालगढ में कांग्रेस की गीता बरबड ने भाजपा की कमसा मेघवाल को, सरदारपुरा से कांग्रेस के अशोक गहलोत ने भाजपा के महेन्द्रसिंह को, सुरसागर से भाजपा के देवेन्द्र जोशी ने कांग्रेस के शहजाद खान को, लुणी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के जोगाराम पटेल व बिलाडा से भाजपा के अर्जुनलाल गर्ग ने जीत दर्ज की। भाजपा मारवाड़ से 23 सीट प्राप्त की। वहीं कांग्रेस ने 7 व निर्दलीय तीन पर विजयी हुए।

तीनो निर्दलीय भाजपा खेमे से : मारवाड़ क्षेत्र के बाड़मेर से प्रियंका चौधरी व शिव से रविन्द्रसिंह भाटी व जालोर के सांचोर से जीवाराम चौधरी ने जीत दर्ज की। जबकि तीनों ने भाजपा से टिकट मांगा था। लेकिन टिकट नहीं देने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने से तीनों प्रत्याशी ने जीत दर्ज की।

बाड़मेर में जनता ने कांग्रेस को सिरे से खारिज करते हुए भाजपा पर विश्वास जताया

पार्टियों के बागियों ने निर्दलीय ताल ठोक कर दिग्गजों के समीकरण बिगाड़ दिये

बाड़मेर, (कासं)। बाड़मेर जिले की सात विधानसभा सीटों में से चार पर भाजपा, दो पर निर्दलीय और एक पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की हैं। इस बार के विधानसभा चुनावों के नतीजों में जनता ने कांग्रेस को सिरे से खारिज करते हुए भाजपा पर विश्वास जताया। वहीं दोनों पार्टियों के बागियों ने निर्दलीय ताल ठोक कर दिग्गजों के समीकरण बिगाड़ते हुए उन्हें हार का स्वाद चखा दिया। पिछले चुनावों में जहां कांग्रेस 6 सीटों पर जीती थी वहीं इस बार एक सीट पर ही जीत हासिल कर पाई हैं।

बाडमेर शहर से भाजपा से बागी हुई निर्दलिय प्रत्याशी डॉ. प्रियंका चौधरी ने लगातार तीन बार के विधायक रहे मेवाराम जैन को 13 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। हॉट सीट में शुमार शिव विधानसभा से भाजपा में शामिल होने के बाद कुछ दिन में ही बागी होने वाले निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व छात्र नेता रविन्द्र सिंह भाटी साढे तीन हजार से अधिक मतों से विजयी हुए। इस सीट पर प्रदेश भर की नजर थी। इस सीट से भाजपा से उनके जिलाध्यक्ष स्वरूप सिंह खारा, बाडमेर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष फतेह खान जिन्होंने बागी होकर निर्दलीय ताल ठोकी, कांग्रेस के पांच बार के विधायक रहे अमीन खान और भाजपा से बागी हुए शिव के पूर्व विधायक जालम सिंह मैदान में थे। इसी तरह सिवाना से भाजपा के हमीर सिंह भायल ने कांग्रेस प्रत्याशी मानवेंद्र सिंह और कांग्रेस से बागी हुए निर्दलीय प्रत्याशी सुनील परिहार को हराया।

- **बाड़मेर जिले की सात विधानसभा सीटों में से चार पर भाजपा, दो पर निर्दलीय और एक पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की**
- **पिछले चुनावों में जहां कांग्रेस 6 सीटों पर जीती थी, वहीं इस बार एक सीट पर ही जीत हांसिल कर पाई**
- **बाडमेर शहर से भाजपा से बागी हुई निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. प्रियंका चौधरी ने जीत हांसिल की**

चोहटन से भाजपा के आदूराम मेगवाल ने वर्तमान विधायक पदमाराम मेघवाल को दो हजार से अधिक मतों से पराजित किया। वहीं गुडामलानी से भाजपा प्रत्याशी के.के. विश्नोई ने कर्नल सोनाराम चौधरी को हराया। कर्नल सोनाराम चौधरी ने चुनाव से पहले भाजपा छोडकर कांग्रेस का दामन थाम कर चुनाव लडे। इस सीट पर वर्तमान विधायक कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी ने भी कर्नल सोनाराम चौधरी का साथ देते हुए प्रचार किया था। पचपदरा से भाजपा प्रत्याशी अरुण कुमार ने पहली बार चुनाव लडते हुए जीत हासिल की। जिले की एकमात्र सीट बायतु कांग्रेस की झोली में गई जहां पूर्व मंत्री हरीश चौधरी विजयी रहे।

इस बार के चुनावों नतीजों ने सबको चौकाया है। एक तरफ जहा राजनीति के दिग्गज शिव से पांच बार के विधायक व मंत्री रहे अमीन खान, बाडमेर से लगातार तीन बार के विधायक रहे मेवाराम जैन, चोहटन के दो बार विधायक रहे पदमाराम मेघवाल, बालोतरा जिला बनाने की मांग को लेकर चरण पादुका त्यागने वाले पचपदरा विधायक मदन प्रजापत, सांसद व विधायक रहे कर्नल सोनाराम चौधरी व कर्नल मानवेंद्र सिंह को हार का मुंह देखना पड़ा। वहीं पहली बार चुनाव लड़ रहे युवा नेता रविन्द्र सिंह भाटी व अरुण कुमार ने जीत हासिल की। बाडमेर शहर को भी प्रियंका चौधरी के रूप में पहली महिला विधायक मिली।

भाजपा के दिग्गज नेता राजेन्द्र राठौड़ को तारानगर में अपने ही दगा दे गए

भयंकर भीतरघात के कारण ही राजेन्द्र राठौड़ की हार हुई

चूरू, (कासं.)। भाजपा के दिग्गज नेता राजेन्द्र राठौड़ को तारानगर में 10 हजार 345 मतों से चुनाव हराने वाले उन्हीं की पार्टी के नेता हैं। राजेन्द्र राठौड़ को तारानगर में अपने ही दगा दे गए। यहां मतगणना के बाद चर्चा रही कि नरेन्द्र बुडानिया को अशोक गहलोत की योजनाओं या खुद के द्वारा करवाए गए विकास कार्यों के बल पर जीत नहीं मिली है, नरेन्द्र बुडानिया को विजयी बनाने में जिले के भाजपा नेताओं का पूरा सहयोग रहा है। भयंकर भीतरघात के कारण ही राजेन्द्र राठौड़ की हार हुई है।

भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ परिणाम घोषित होने से पहले ही मतगणना स्थल से बाहर आ गए।

तारानगर में भाजपा की टिकट के दावेदार कहने को तो राजेन्द्र राठौड़ के साथ थे, लेकिन उनके भीतर एक अलग ही ज्वाला दहक रही थी। कहा जा रहा है कि चन्द्राराम गुरी जैसे नेताओं ने भी राजेन्द्र राठौड़ को पराजित करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इनके अलावा सांसद राहुल कस्वां ने भी राजेन्द्र राठौड़ से बदला लेने के लिए खूब जोर लगाया बताया। मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल होने के कारण प्रदेश के कई नेता भी राठौड़ को हराना चाहते थे। राजेन्द्र राठौड़ अपनों की ही आंखों में खटकने लगे थे। उनका मकसद सिर्फ राजेन्द्र राठौड़ को विधानसभा में जाने से रोकना ही था। जाट समाज की एकजुटता, धर्मवीर पुजारी को जिलाध्यक्ष पद से हटाने के कारण विप्र समाज की नाराजगी भी राजेन्द्र राठौड़ की हार के कारणों में से एक है। तारानगर में जाट समाज ने गुप्त रूप से नारा दिया बताया कि जो जाट जिन्दा है, वो जाट को ही वोट देगा।

विप्र समाज ने भी धर्मवीर पुजारी को हटाते ही एलान किया था कि इसका जवाब वोट से देंगे। वैसे नरेन्द्र बुडानिया को भाग्य का धनी माना जाता है। उन्हें तमाम विरोध के बाद भी जीत मिल ही जाती है। हालांकि जीतने के बाद सदन में राजेन्द्र राठौड़ की तुलना में बुडानिया कम ही बोलते हैं। इस बार बुडानिया का जातिगत समीकरण काफी मजबूत साबित हुआ है। राजेन्द्र राठौड़ का समीकरण उन्हीं के साथ रहने वालों ने खराब कर दिया, राजेन्द्र राठौड़ को इस बात का अहसास तक भी नहीं होने दिया।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के मांगलियावास थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से रेप की वारदात सामने आई है। आरोपी युवक ने पीड़ित महिला के अकेले होने का फायदा उठाकर घर में घुसा और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान आरोपी के द्वारा महिला के अश्लील फोटो भी खींच लिए। महिला की बहू घर पर पहुंची तो आरोपी वहां से फरार हो गया। पीड़ित महिला के बेटे ने मांगलियावास थाने में इसकी शिकायत दी है। पुलिस ने दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मांगलियावास थाना पुलिस के अनुसार पीड़ित बुजुर्ग महिला के बेटे ने थाने पर शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़ित बेटे ने शिकायत में बताया कि 29 नवंबर को वह घर से सुबह मजदूरी के लिए गया हुआ था। उसकी पत्नी भी घर पर नहीं थी। घर पर उसकी सिर्फ बुजुर्ग मां मौजूद थी।

सुबह 9 से 11 बजे के बीच लीलाराम नाम का व्यक्ति घर में घुसा और बरामदे में सो रही उसकी मां को उठाया और उनका मुंह दबाकर जबरन उन्हें कमरे में ले गया। बाद में आरोपी ने उन्हें जमीन पर पटक दिया और मारपीट कर उनके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। मांगलियावास थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झालरापाटन में वसुंधरा राजे 53877 वोटों से विजयी

मनोहरथाना में भाजपा के गोविंद रानीपुरिया 24621 वोटों से जीते

झालरापाटन, (निसं)। विधानसभा चुनाव में जिले की चारों विधानसभाओं के वोटों की गिनती रविवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज में शुरू हुई। दोपहर दो बजे तक झालरापाटन और मनोहरथाना विधानसभा के परिणाम जारी हो गए।

झालरापाटन में फिर से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, डग में कालूराम मेघवाल और मनोहरथाना में भाजपा के गोविंद रानीपुरिया को जीत मिली है। झालरापाटन विधानसभा में वसुंधरा राजे ने 53 हजार 877 वोटों से जीत दर्ज की। वसुंधरा राजे को 1 लाख 37 हजार 589 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी रामलाल चौहान को 84 हजार 954 वोट मिले। इधर, मनोहरथाना विधानसभा में भाजपा के गोविंद रानीपुरिया 24 हजार 621 वोटों से जीत गए। उन्हें 85 हजार 304 वोट मिले हैं, जबकि उनके

वसुंधरा राजे

प्रतिद्वंदी निर्दलीय प्रत्याशी कैलाश मीणा को 62 हजार 439 वोट मिले। यहां कांग्रेस प्रत्याशी नेमीचंद मीणा तीसरे नंबर पर रहे। उन्हें 38 हजार 429 वोट मिले। इधर, डग विधानसभा में भाजपा के कालूराम मेघवाल 22 हजार 779 वोटों से जीत गए हैं। यहां भाजपा के बागी रामचंद्र सुनारीवाल तीसरे नंबर पर रहे।

- **खानपुर में कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश गुर्जर 8256 वोटों से विजेता रहे**

20 साल बाद खानपुर में कांग्रेस को मिली जीत :- खानपुर विधानसभा में कांग्रेस व भाजपा के सीधे मुकाबले में कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश गुर्जर 8256 वोटों से जीत गए हैं। यहां 20 साल बाद कांग्रेस को जीत मिली है। पिछले चुनाव में करीब 2200 बोटों से हार गए थे। पॉलिटेक्निक कॉलेज में चल रही वोटों की गिनती अंदर चलती रही और बाहर जीत वाली पार्टी के कार्यकर्ता जश्न मनाते रहे। शहर के पॉलिटेक्निक कॉलेज के बाहर से लेकर विभिन्न चौराहों पर भाजपा कार्यकर्ता जश्न मनाते दिखाई दिए। इधर, खानपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। लोगों ने आतिशबाजी की।

करौली से भाजपा के दर्शन सिंह गुर्जर विजयी

भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी के बीच में कड़ी टक्कर हुई

भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह गुर्जर को विजयी घोषित किया।

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय स्थित करौली विधानसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी के बीच में कड़ी काटे की टक्कर के बीच भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह गुर्जर 2183 मतों से विजयी हुए जिनके विजय होने पर शहर में उनके आवास पर जमकर आतिशबाजी और जयकारे गूंजे।

करौली विधानसभा क्षेत्र क्षेत्र से वैसे तो चुनाव मैदान में 11 प्रत्याशी थे मगर चुनाव भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी के बीच कड़ी टक्कर के साथ हुआ जिनका भाग्य 25 तारीख को मतदान के बाद ईवीएम मशीनो में बंद था जो रविवार को मतगणना के बाद उनके भाग्य का फैसला हुआ।

जिसमें दर्शन सिंह गुर्जर ने कांग्रेस प्रत्याशी लाखन सिंह मीना से 2183 मत अधिक प्राप्त कर जीत प्राप्त की। जीत के बाद विधायक गुर्जर हजारों कार्यकर्ताओं और शहर के गणमान्य लोगों के बीच भाजपा नेता सतवीर चंदीला की गाड़ी में उनके साथ बैठकर जयकारों के साथ अपने आवास पर पहुंचे वहां अपने पिता स्वर्गीय पूर्व विधायक हंसराम गुर्जर कि प्रतिमा के ढोक लगाई और अपने बड़े भाई भरत सिंह के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेते हुए पूर्व विधायक यहां कि महारानी रोहिणी देवी के यहां भंवर विलास पहुंचे जहां उन्होंने उनका चरण छूकर आशीर्वाद लिया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह मेरी जीत नहीं आपकी और करौली कि जनता की जीत है मैं हमेशा आप सब का आभारी रहूंगा और जनता के लिए 24 घंटे मेरे द्वार खुले रहेंगे और जनता की सेवा करूंगा।

बीकानेर जिले की सात में से छह सीटें भाजपा ने जीती, कांग्रेस को मात्र एक सीट मिली

बीकानेर में जिले में कांग्रेस के तीनों मंत्री बड़े मतों के अन्तराल से चुनाव हारे

बीकानेर, (निसं)। जिले की सात विधानसभा सीटों में से भाजपा ने छह पर जीत दर्ज कर इतिहास रचा। कांग्रेस को केवल नोखा विधानसभा सीट पर ही जीत पर संतोष करना पड़ा। बड़ी बात ये है कि बीकानेर में कांग्रेस के तीनों मंत्री भंवर सिंह भाटी, गोविन्दराम मेघवाल व डॉ. बीडी कल्ला चुनाव हार गए। दिलचस्प बात ये है कि पहली दफा चुनाव लड़ने वाले भाजपा के प्रत्याशी जेठानन्द व्यास व अंशुमान सिंह भाटी ने मंत्री बीडी कल्ला व मंत्री भाटी को पटखनी दी है। जबकि खाजूवाला में पूर्व विधायक व भाजपा प्रत्याशी डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कांग्रेस के मंत्री गोविन्दराम मेघवाल को हराया है।

बीकानेर विधानसभा चुनाव में इस बार बीकानेर की पूर्व सीट से भाजपा प्रत्याशी सिद्धी कुमारी, पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से जेठानन्द व्यास, खाजूवाला से डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, श्रीकोलायत से अंशुमान सिंह भाटी, श्रीडूंगरगढ़ से ताराचन्द सारस्वत व लूणकरनसर से विधायक सुमित गोदारा ने चुनाव जीता है। जबकि एकमात्र नोखा सीट कांग्रेस के खाते में गई है। यहां कांग्रेस की सुशीला डूडी जीती है। जबकि नोखा में भाजपा के विधायक बिहारी लाल विश्नोई को हार का मुंह देखना पड़ा।

नोखा से कांग्रेस विधायक सुशीला डूडी

लूणकरणसर से भाजपा विधायक सुमित गोदारा

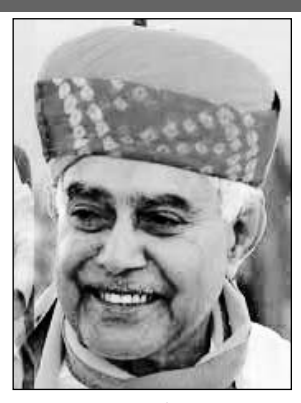

श्रीडूगरगढ़ से भाजपा विधायक ताराचंद सारस्वत

बीकानेर पूर्व से भाजपा विधायक सिद्धि कुमारी

बीकानेर पश्चिम से भाजपा विधायक जेठानंद व्यास

पिछले विधानसभा चुनाव में पिछली बार बीकानेर की तीन सीटें बीकानेर पूर्व, लूणकरनसर व नोखा सीटें भाजपा के खाते में गई थी, किंतु इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के दो दिग्गज मंत्रियों को हराकर खाजूवाला व बीकानेर पश्चिम सीट अपने खाते में डाली है। यही नहीं श्रीडूंगरगढ़ में पिछली बार जीते गिरधारी महिया को इस बार भाजपा के ताराचन्द सारस्वत ने हराकर इस सीट पर कब्जा कर लिया है।

बीकानेर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की बड़ी जीत हुई है। यहां भाजपा प्रत्याशी जेठानन्द व्यास ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी कांग्रेस के शिक्षा मंत्री डॉ. बुलाकीदास कल्ला को पटखनी दी है। टिकट मिलने व टिकट मिलने के बाद सत्ता के नशे में चूर कांग्रेस ने भाजपा प्रत्याशी को हल्के में लेना भारी पड़ गया।

जेठानन्द व्यास ने हाल ही में भाजपा का दामन थामा था और भाजपा ने उनमें विश्वास जताते हुए उन्हें बीकानेर पश्चिम से अपना प्रत्याशी बनाया। जिस पर जेठानन्द व्यास खरे उतरे। बता दें कि जेठानन्द व्यास जमीं से जुड़े कार्यकर्ता है तथा सभी को एकसाथ लेकर चलने वाले नेताओं में शुमार है। जेठानन्द व्यास की सादगी व सरल स्वभाव के चलते कैम्पन के दौरान मतदाताओं ने आभास तक होने नहीं दिया और जब अपने मताधिकार की बारी आई तो उन्होनें सरल व सादगी स्वभाव वाले जेठानन्द व्यास को जिताने के लिए अपने मताधिकार का उपयोग किया और आज परिणाम सभी के सामने है। जेठानन्द व्यास ने 20432 मतों से डॉ बीडी कल्ला को हराया है। उन्हें 97786 वोट मिले। जबकि डॉ कल्ला को 77354 मतों से संतोष करना पड़ा।

एक बार फिर से लूणकरनसर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के सुमित गोदारा ने बाजी मारी है। पिछली दफा भी यह सीट भाजपा के पास थी और इस बार फिर गोदारा ने जीत दर्ज कर विधायकी कायम रखी है। गोदारा ने 9014 वोटों से जीत दर्ज की है। नोखा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सुशीला डूडी की जीत हुई है। डूडी ने भाजपा के बिहारीलाल विश्नोई को हराया है। श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से इस बार भाजपा प्रत्याशी ताराचन्द सारस्वत ने चुनाव लडने वाले सभी प्रत्याशियों को पछाड़ दिया है। उनको बहुत पीछे छोड़ चुनाव में जीत दर्ज की है। भाजपा के सारस्वत ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी कांग्रेस प्रत्याशी मंगलाराम गोदारा को 7692 मतों से हराया है। बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी व पूर्व राजघराने की सिद्धी कुमारी ने जीत दर्ज की है। सिद्धी कुमारी ने इस सीट से लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है। जनता ने सिद्धी कुमारी में विश्वास जताया है। हालांकि इस चुनाव में भाजपा की सिद्धी कुमारी के साथ भीतरघात होने की आशंका जातई जा रही थी। किंतु भीतरघात जैसी आशंका के बावजूद भाजपा प्रत्याशी सिद्धी कुमारी में जनता ने अपना विश्वास जताया और उनको जीत दिलाई है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी कांग्रेस प्रत्याशी यशपाल गहलोत को हराया है।